KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 2

राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग - 6

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Pg 40

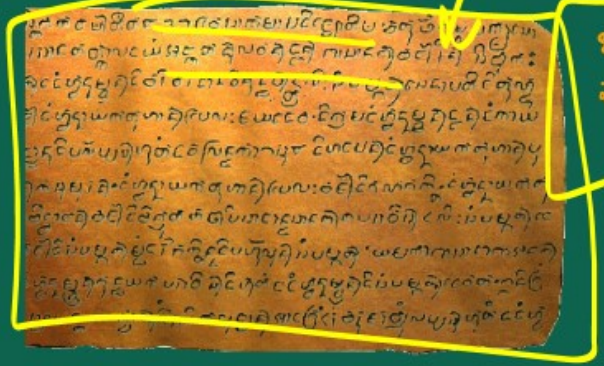
भूमिदान → अभिलेखों (ताम्रपत्रों)

संस्कृत
तमिल
तेलगु

लेने वालों को

धार्मिक संगठन

ब्राह्मण



भूमिदान और नये संभ्रात ग्रामीण

ई. की आरंभिक शताब्दियों से भूमिदान के प्रमाण मिले हैं।

भूमिदानों का कई बार उल्लेख अभिलेखों में भी है।

ये अभिलेख पत्थरों व ताम्रपत्रों पर खुदे होते थे।

ताम्र पत्रों वाले भूमिदान के अभिलेख संभवत: भूमिदान लेने वाले को दिये जाते थे।

ये भूमिदान साधारण तौर पर धार्मिक संस्थाओं या ब्राह्मणों को दिये गये थे।

अधिकाश अभिलेख संस्कृत में थे।

KOLORS
make life better



चन्द्रगुप्त II + वाकाटक राजा रुद्रसेन II

प्रभावती गुप्त द्वारा दान :-

प्रभावती आरंभिक भारत के एक सबसे महत्वपूर्ण शासक चंद्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.) की पुत्री थी।

उसका विवाह एक महत्वपूर्ण शासक वंश वाकाटक परिवार में रूद्रसैन द्वितीय से हुआ था।

संस्कृत धर्मशास्त्रानुसार महिलाओं को भूमि जैसी संपत्ति पर स्वतंत्र अधिकार नहीं था। लेकिन एक अभिलेख के अनुसार प्रभावती भूमि की स्वामी थी तथा उसने दान भी किया था।

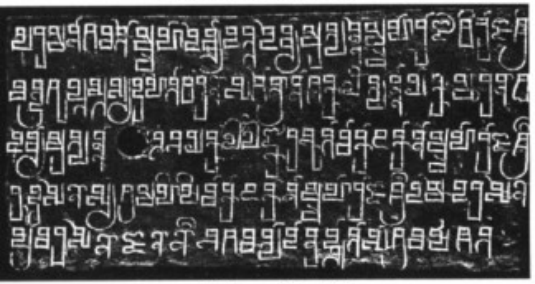
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

KOLORS
make life better

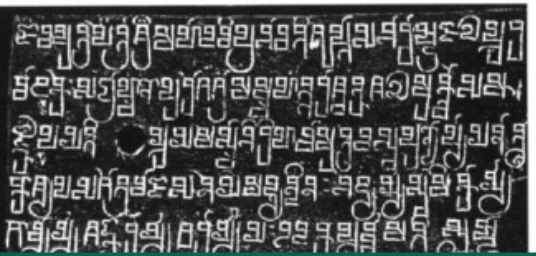
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



First Plate : Inner Side



Second Plate : First Side



स्रोत

प्रभावती गुप्त और दंगुन गाँव :-

प्रभावती ग्राम कुटुबिंनों (गाँव के गृहस्थ और कृषक), ब्राह्मणों और दंगुन गांव के अन्य वासियों को आदेश देती है ....

"आपको ज्ञात हो कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को धार्मिक पुण्य प्राप्ति के लिए इस ग्राम को जल अर्पण के साथ आचार्य चनालस्वामी को दान दिया गया है। आपको इनके सभी आदेशों का पालन करना चाहिए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



एक अग्रहार (दान वाला भूमि भाग) के लिए उपयुक्त निम्नलिखित रियायतों का निर्देश भी देती है कि इस गांव में पुलिस व सैनिक प्रवेश नहीं करेंगे। दौरे पर रहने वाले अधिकारियों को यह गांव घास देने और आसन में प्रयुक्त होने वाले जानवरों की खाल और कोयला देने के दायित्व से मुक्त हैं।

साथ ही वे मदिरा खरीदने तथा नमक हेतु खुदाई करने के राजसी अधिकार को कार्यान्वित किये जाने से मुक्त हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लाए ?

- ग्रामीण प्रजा + ब्राह्मण किसान (अन्य वर्ग)



शासकों को वस्तु प्रदान

- प्रधान की आज्ञाओं का पालन + कर

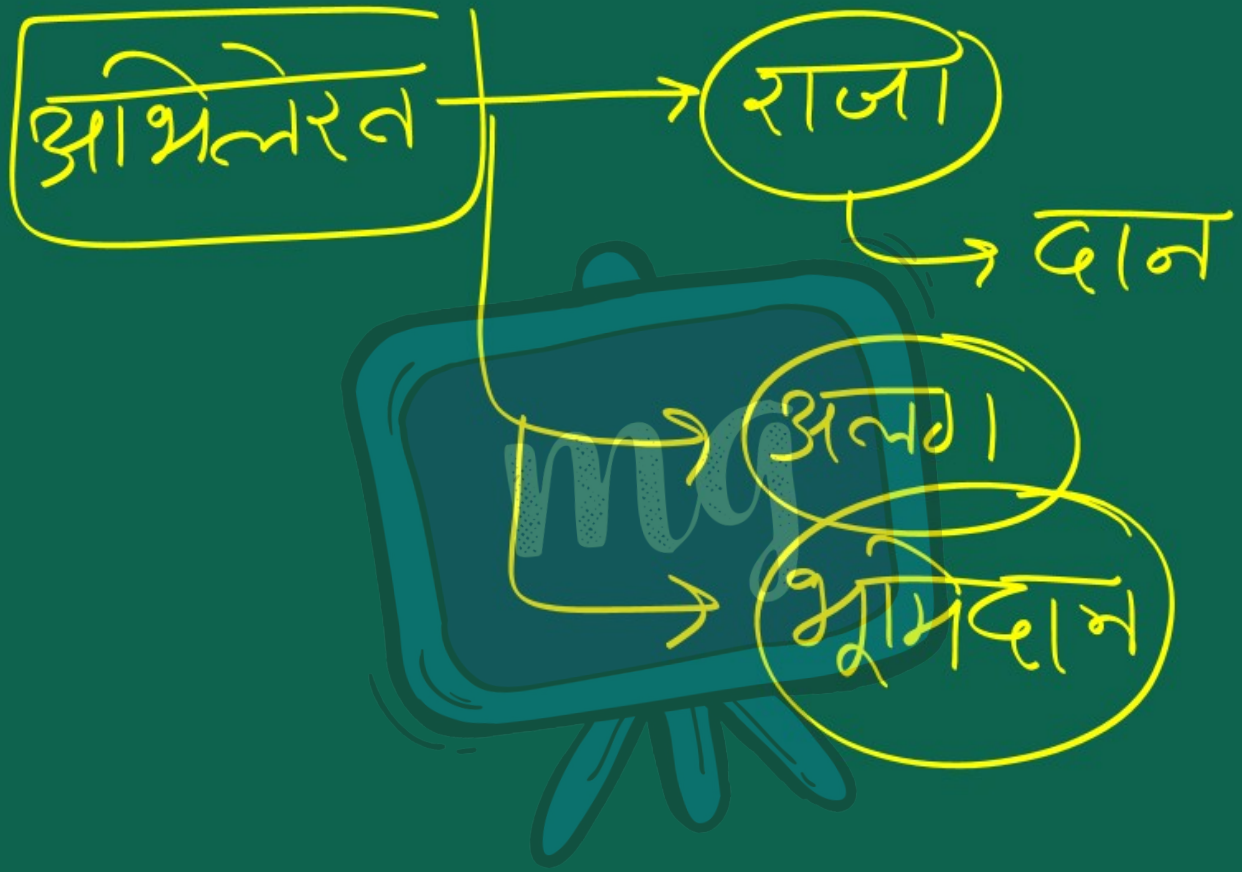
- देश के कई हिस्सों में

इस गाव का खा
उत्पाद देने से भी
फूल और दूध देने
इसके भीतर की
सहित किया गया
इस राज्यादेश की
तथा इसे चक्रदास

इस अभिलेख में ह
इनमें ब्राह्मण किसा
थे। जो शासकों या
की वस्तुऐं प्रदान

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

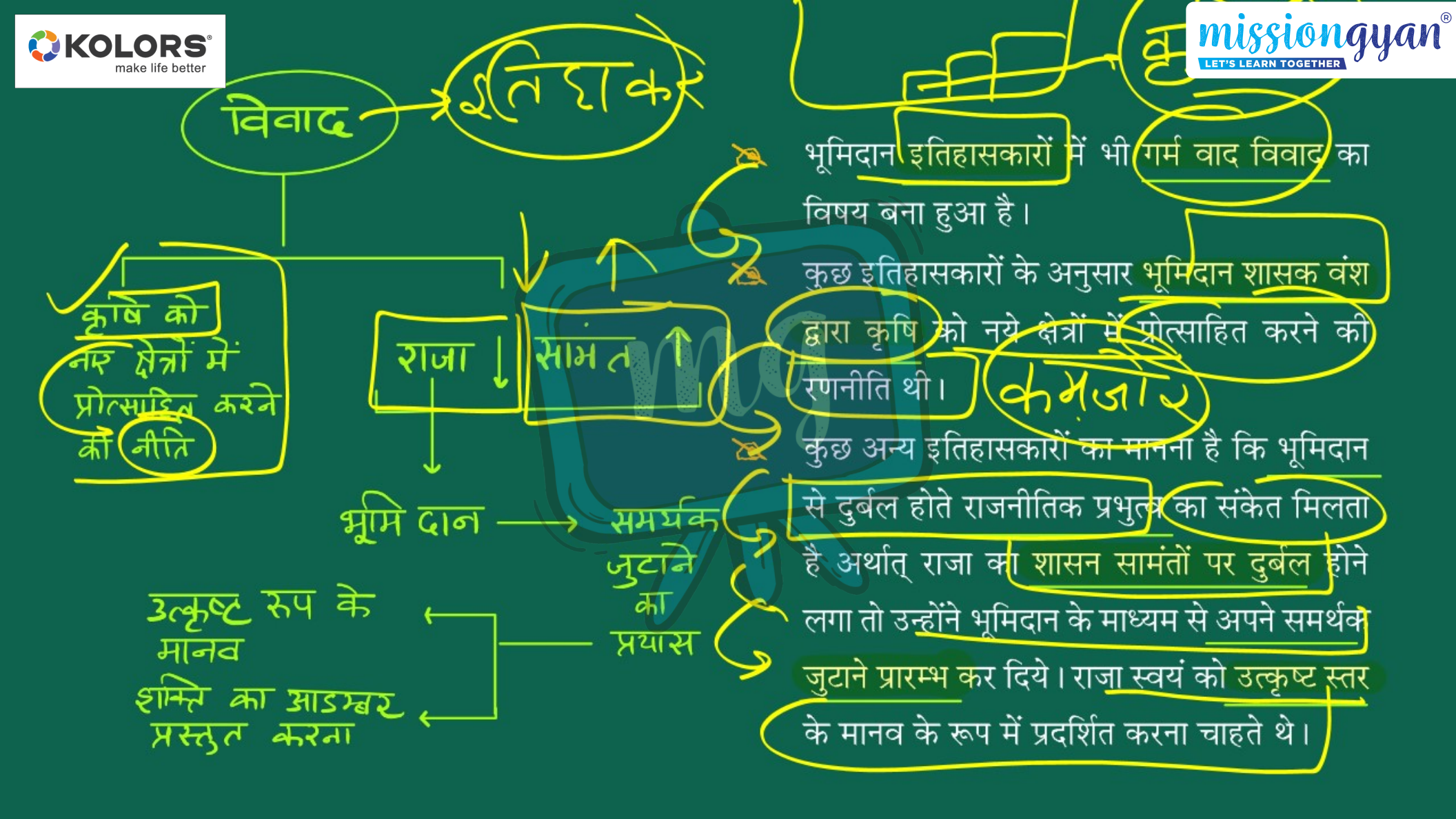
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भूमि के माप में भी अंतर
  - छोटे
  - बड़े
- दान प्राप्त के अधिकारों में भी अंतराल

अभिलेख के अनु
प्रधान की आज्ञा
संभवतः अपने भ
इस प्रकार के भूमि
से प्राप्त हुए हैं।
क्षेत्रों में दान में
कहीं छोटे टुकड़े
गये हैं।
भूमिदान में दान
भी क्षेत्रीय परिवत

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भूमिदान इतिहासकारों में भी गर्म वाद विवाद का विषय बना हुआ है।

कुछ इतिहासकारों के अनुसार भूमिदान शासक वंश द्वारा कृषि को नये क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने की रणनीति थी।

कुछ अन्य इतिहासकारों का मानना है कि भूमिदान से दुर्बल होते राजनीतिक प्रभुत्व का संकेत मिलता है अर्थात् राजा का शासन सामंतों पर दुर्बल होने लगा तो उन्होंने भूमिदान के माध्यम से अपने समर्थक जुटाने प्रारम्भ कर दिये। राजा स्वयं को उत्कृष्ट स्तर के मानव के रूप में प्रदर्शित करना चाहते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- राज्य —— किसान
- पशुपालक
  संग्राहक
  मछुआरे
  शिल्पकार
  घुमन्तु कृषक

अधिकारियों + सामन्तों का नियंत्रण नहीं था।

उनका नियंत्रण ढीला होता जा रहा था इसलिए वे अपनी शक्ति का आडम्बर प्रस्तुत करना चाहते थे। भूमिदान के प्रचलन से राज्य और किसानों के बीच संबंध की झांकी मिलती है।

कुछ ऐसे भी लोग थे जिन पर अधिकारियों या सामंतों का नियंत्रण नहीं था जैसे कि पशुपालक, संग्राहक, शिकारी, मछुआरे, शिल्पकार और जगह जगह घूम कर खेती करने वाले लोग। सामान्यतः ऐसे लोग अपने जीवन और आदान प्रदान के विवरण नही रखते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमिदान

प्रभावित → क्यों → क्यो ?

अर्थ

1. धार्मिक
2. किसान → खेती ↑ → राजस्व ↑
3. ताकतवर ↓

img

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

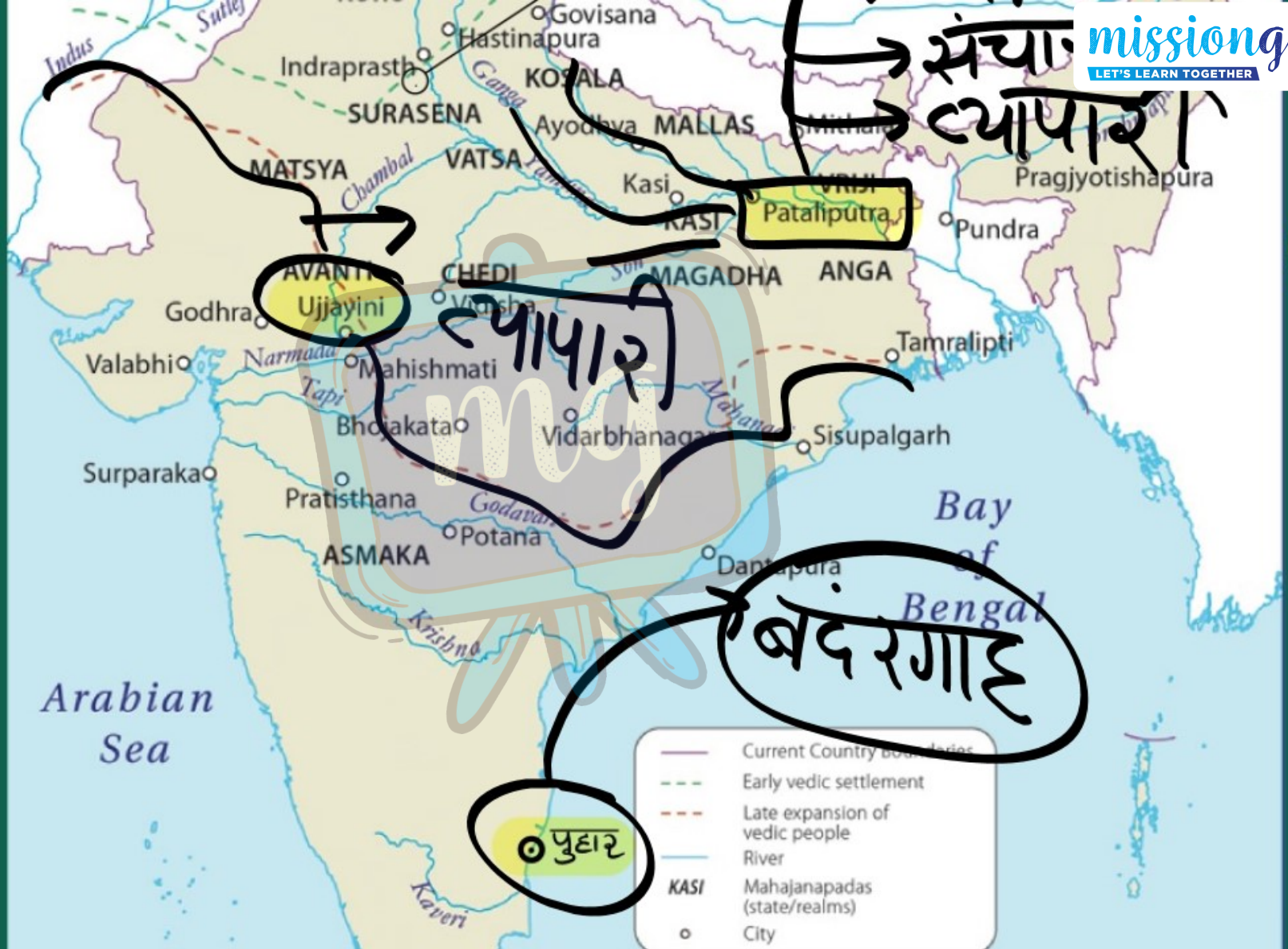
Q. सामान्य लोगों के जीवन का पुनर्निर्माण इतिहासकार कैसे करते थे?

Q. वर्णित काल में कृषि के तौर तरीकों में किस हद तक परिवर्तन हुए?

Q भूमि दान से क्या तात्पर्य है?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



35 पाटलिपुत्र

पाटलिपुत्र का इतिहास

प्रत्येक नगर का अपना इतिहास था। उदाहरण के तौर पर, पाटलिपुत्रा का विकास पाटलिग्राम नाम के एक गाँव से हुआ। फिर पाँचवी सदी ई. पू. में मगध शासकों ने अपनी राजधनी राजगाह से हटाकर इसे बस्ती में लाने का निर्णय किया और इसका नाम बदल दिया।

चौथी शताब्दी ई. पू. तक आते–आते यह मौर्य साम्राज्य की राजधानी और एशिया के सबसे बड़े नगरों में से एक बन गया। बाद में इसका महत्त्व कम हो गया और जब चीनी यात्राी श्वैन त्सांग सातवीं सदी ई. में यहाँ आया तो इसे यह नगर खंडहर में बदला मिला और उस समय यहाँ की जनसख्या भी कम थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. प्राचीन भारत के किन्हीं चार नगरों के नाम लिखें?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संभ्रांत वर्ग और शिल्पकार :–

शासक वर्ग और राजा किलेबंद नगरों में रहते थे। यद्यपि इनमें से अधिकांश स्थलों पर व्यापक रूप से खुदाई करना संभव नहीं है, क्योंकि आज भी इन क्षेत्रों में लोग रहते हैं।

इसके पश्चात् भी पुरावशेष प्राप्त हुए हैं। इनमें उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियाँ मिली हैं जिन पर चमकदार कलई चढ़ी है। इन्हें उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र कहा जाता है। संभवतः इनका उपयोग अमीर लोग किया करते होंगे।

इसके साथ ही सोने चाँदी, कांस्य, ताँबे, हाथी दाँत, शीशे जैसे तरह–तरह के पदार्थों के बने गहने, उपकरण, हथियार, बर्तन, सीप और पक्की मिट्टी मिली हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मूर्ति
अपना
नाम
धार्मिक
नागपिया

द्वितीय शताब्दी ई.पू. आते–आते हमें कई नगरों में छोटे दानात्मक अभिलेख प्राप्त होते हैं। इनमें दाता के नाम के साथ–साथ प्रायः उसके व्यवसाय का भी उल्लेख होता है।



एक प्रतिमा की भेंट
यह मथुरा से मिली एक मूर्ति का भाग है। इस पर प्राकृत में अभिलेख है जिसमें कहा गया है कि एक स्वर्णकार धर्मक की पत्नी नागपिया ने इसे एक धार्मिक स्थल में स्थापित किया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संभ्रांत वर्ग और शिल्पकार :–

- शासक वर्ग और राजा किलेबंद नगरों में रहते थे। यद्यपि इनमें से अधिकांश स्थलों पर व्यापक रूप से खुदाई करना संभव नहीं है, क्योंकि आज भी इन क्षेत्रों में लोग रहते हैं।
- इसके पश्चात् भी पुरावशेष प्राप्त हुए हैं। इनमें उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियाँ मिली हैं जिन पर चमकदार कलई चढ़ी है। इन्हें उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र कहा जाता है। संभवतः इनका उपयोग अमीर लोग किया करते होंगे।
- इसके साथ ही सोने चाँदी, कांस्य, ताँबे, हाथी दाँत, शीशे जैसे तरह–तरह के पदार्थों के बने गहने, उपकरण, हथियार, बर्तन, सीप और पक्की मिट्टी मिली हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- द्वितीय शताब्दी ई.पू. आते–आते हमें कई नगरों में छोटे दानात्मक अभिलेख प्राप्त होते हैं। इनमें दाता के नाम के साथ–साथ प्रायः उसके व्यवसाय का भी उल्लेख होता है।



एक प्रतिमा की भेंट
यह मथुरा से मिली एक मूर्ति का भाग है। इस पर प्राकृत में अभिलेख है जिसमें कहा गया है कि एक स्वर्णकार धर्मक की पत्नी नागदिया ने इसे एक धार्मिक स्थल में स्थापित किया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

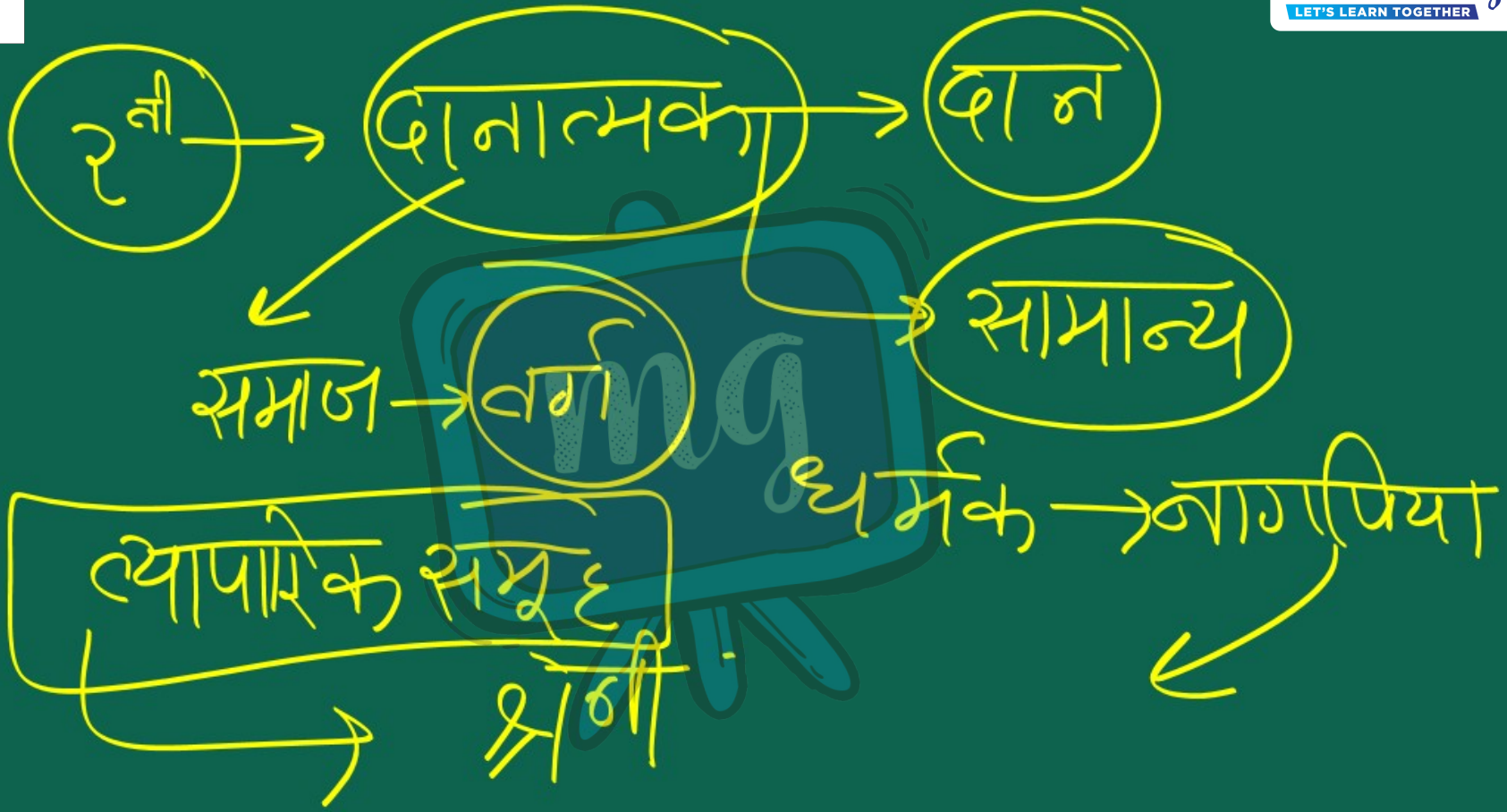




- इन अभिलेखों में नगरों में रहने वाले धोबी, बुनकर, लिपिक, बढ़ई, कुम्हार, स्वर्णकार, लौहकार, अधिकारी, धार्मिक गुरु, व्यापारी और राजाओं के बारे में विवरण लिखे होते हैं।
- कभी–कभी उत्पादकों और व्यापारियों के संघ का भी उल्लेख मिलता है जिन्हें श्रेणी कहा गया है। ये श्रेणियाँ संभवत पहले कच्चे माल को खरीदती थीं फिर उनसे सामान तैयार कर बाजार में बेच देती थीं।
- यह संभव है कि शिल्पकारों ने नगर में रहने वाले संभ्रांत लोगों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए कई प्रकार के लौह उपकरणों का प्रयोग किया हो।

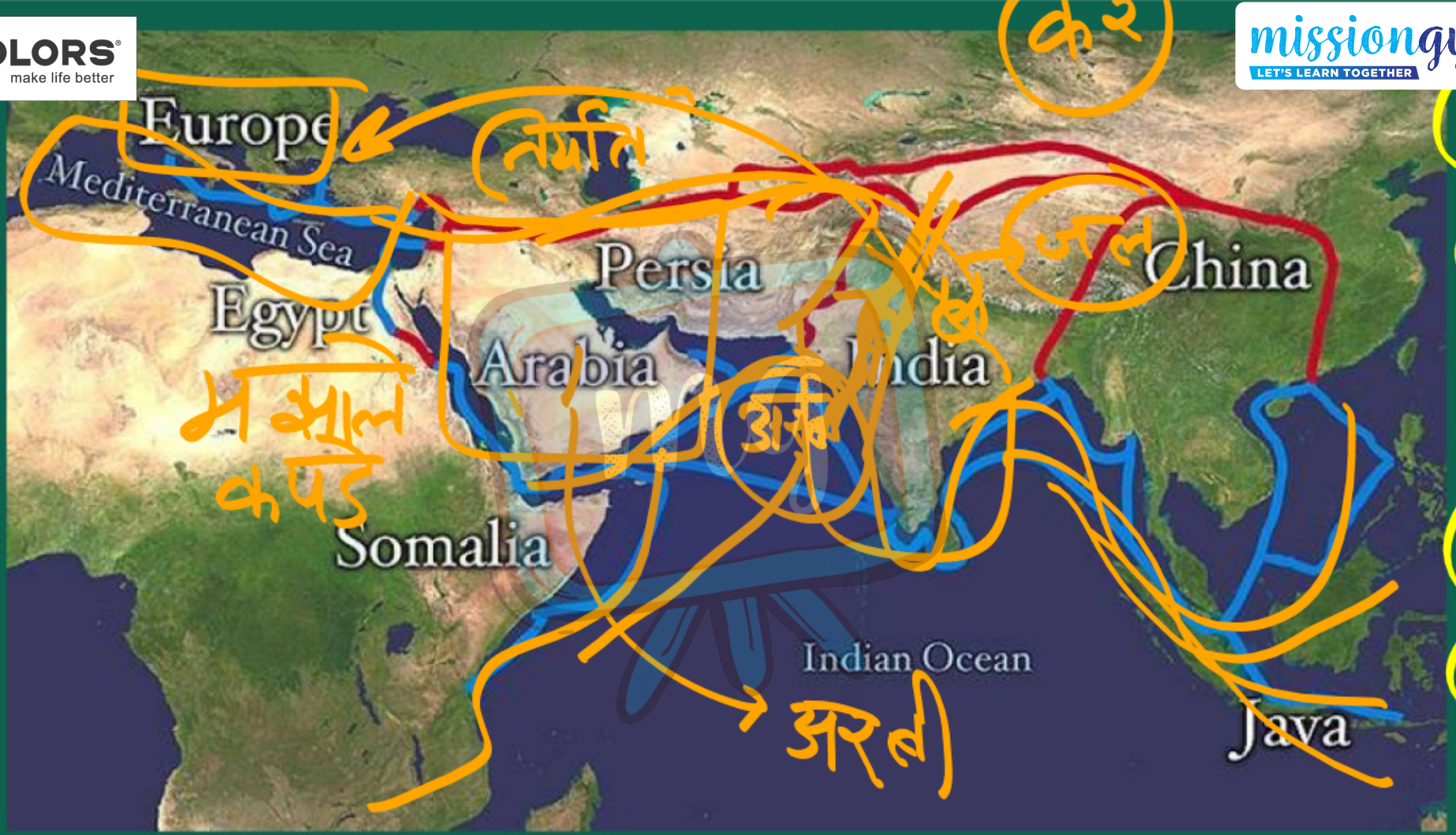
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

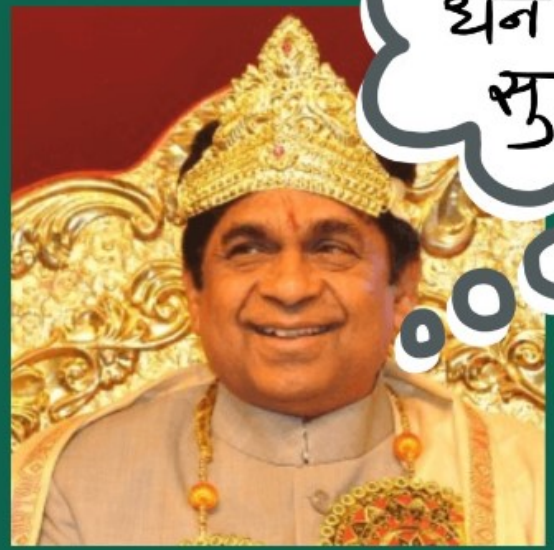
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1.

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- शासकों ने प्रायः इन मार्गों पर नियंत्रण करने की कोशिश की और संभवतः वे इन मार्गों पर व्यापारियों की सुरक्षा के बदले उनसे धन लेते थे।
- इन मार्गों पर चलने वाले व्यापारियों में पैदल फेरी लगाने वाले व्यापारी तथा बैलगाड़ी और घोड़े-खच्चरों जैसे जानवरों के दल के साथ चलने वाले व्यापारी होते थे।
- समुद्री मार्ग से भी लोग यात्रा करते थे जो खतरनाक तो थी, लेकिन बहुत लाभदायक भी होती थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1498



मसाले लाओ !



- तमिल भाषा में मसत्थुवन और प्राकृत में सत्थवाह और सेट्ठी के नाम से प्रसिद्ध सफल व्यापारी बड़े धनी हो जाते थे।
- नमक, अनाज, कपड़ा, धातु और उससे निर्मित उत्पाद, पत्थर, लकड़ी, जड़ी–बूटी जैसे अनेक प्रकार के सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाए जाते थे।
- रोमन साम्राज्य में काली मिर्च, जैसे मसालों तथा कपड़ों व जड़ी–बूटियों की भारी माँग थी।
- इन सभी वस्तुओं को अरब सागर के रास्ते भूमध्य क्षेत्र तक पहुँचाया था।